डॉ. वरुण कुमार उपाध्याय
सहायक प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम संयोजक एम.ए.समाजशास्त्र

जिन विद्यार्थियों ने एम.ए. समाजशास्त्र (सत्र-2022-2024) द्वितीय वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी विद्यार्थियों की सूची निदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आप सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि एम.ए. समाजशास्त्र के द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अभ्यास केंद्र पर लिखकर दिनांक **15-06-2024** तक प्रस्तुत करें। एम.ए. समाजशास्त्र द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य का विवरण निम्नलिखित इस प्रकार है-

एमएएस 11–आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

एमएएस 12 – शोध प्रविधि (II)

एमएएस 13 –भारतीयसमाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

एमएएस 14 – सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

एमएएस 15 – ग्रामीण समाजशास्त्र

एमएएस 16 –आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)

एमएएस 17 – भारतीय सामाजिक समस्याएं

एमएएस 18 –संविधान एवं मानवाधिकार

एमएएस 19 – नगरीय समाजशास्त्र

एमएएस 20 – परियोजना कार्य

उद्देश्य –

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

निर्देश-

सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढिए एवं इनका अनुपालन करें–

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखें।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका की बाई ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

(Cover Page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से प्रारंभ होगा:

अध्ययन केंद्र का नाम: .....
पंजीयन संख्या: .....
नामांकन संख्या: .....
नाम: .....
पता: .....
.....
मो.: .....
ई-मेल: .....
दिनांक: .....

पाठ्यक्रम का नाम: एम.ए. समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का शीर्षक :.....
प्रश्न-पत्र कोड:.....

विद्यार्थी का हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित करके प्रस्तुत लिया जा रहा है।
2. सत्रीय कार्य लेखन के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें। उन सभी कागजों में एक ही तरफ लेखन कार्य क्रेन।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand Written) में ही लेखन कार्य करें।

प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पश्चात, पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर लिखें।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें ।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक
डॉ. वरुण कुमार उपाध्याय

एम.ए. (सत्र 2022 -2024) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड: **एमएएस 11**

प्रश्न पत्र : **आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)**

अंतिम तिथि: **15 /06/2024**

अधिकतम अंक: **30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : प्रघटनाशास्त्र का अर्थ बताते हुए इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : लोकविधि विज्ञान के विकास में गारफिंकल के योगदान की विवेचना कीजिए|

प्रश्न संख्या 03 : नवप्रकार्यवाद में जेफ्री अलेक्जेण्डर के विचारों की विवेचना किजिए|

प्रश्न संख्या 04 : नवमार्क्सवाद में लुईस अलथुजर के विचारों का उल्लेख कीजिए |

प्रश्न संख्या 05 : अल्फ्रेड शूटज का प्रघटनाशास्त्र क्या है ?विवेचना कीजिए|

एम.ए. (सत्र 2022 -2024) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड: **एमएएस 12**

प्रश्न पत्र : **शोध प्रविधि (II)**

अंतिम तिथि: **15 /06/2024**

अधिकतम अंक: **30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : तथ्य संग्रहण की तकनीकी एवं श्रोत मे प्राथमिक एवं द्वितीयक श्रोत का वर्णन कीजिए|

प्रश्न संख्या 02 : शोध मे केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप क्या है विवेचना कीजिए |

प्रश्न संख्या 03 : किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए |

1 काई स्क्वायर (X2) परीक्षण

2 t - परीक्षण

3 F परीक्षण

प्रश्न संख्या 04 : शोध में कंप्यूटर की भूमिका एवं उपयोग पर निबंध लिखिए|

प्रश्न संख्या 05 : शोध सांख्यिकीय मे विचलन क्या है वर्णन कीजिए|

एम.ए. (सत्र 2022 -2024) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड: **एमएएस 13**

प्रश्न पत्र : **भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य**

अंतिम तिथि: **15 /06/2024**

अधिकतम अंक: **30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : भारत-विद्याशास्त्र से क्या तात्पर्य है ? इसे विस्तार से लिखिए ।

प्रश्न संख्या 02 : भारत-विद्याशास्त्र को जी. एस. घुरिये के योगदान की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : डॉ. एम. एन. श्रीनिवास का संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम को दिए गए योगदान को विवेचित कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : दलितवादी परिप्रेक्ष्य क्या है ? डॉ.अम्बेडकर के दलितवादी परिप्रेक्ष्य की विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : संस्तरणात्मक परिप्रेक्ष्य में आन्द्रे वेतई के विचारों का वर्णन कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2022 -2024) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड: **एमएएस 14**

प्रश्न पत्र : **सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण**

अंतिम तिथि: **15 /06/2024**

अधिकतम अंक: **30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : सामाजिक परिवर्तन को परिभाषित करते हुए परिवर्तन के विभिन्न कारकों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : सामाजिक परिवर्तन के रेखीय एवं चक्रीय सिद्धांत की विवेचना कीजिए|

प्रश्न संख्या 03 : सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक एवं अनौपचारिक साधन की व्याख्या कीजिए|

प्रश्न संख्या 04 : सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत मे ईए.रॉस एवं डब्लू.जी समनर के सिद्धांत को लिखिए|

प्रश्न संख्या 05 : सामाजिक उद्दविकास एवं प्रगति का वर्णन कीजिए|

एम.ए. (सत्र 2022 -2024) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड: **एमएएस 1 5**

प्रश्न पत्र : **ग्रामीण समाजशास्त्र**

अंतिम तिथि: **15 /06/2024**

अधिकतम अंक: **30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : ग्रामीण समाजशास्त्र किसे कहते है?ग्रामीण समाजशास्त्र के अध्ययन क्षेत्र की विवेचना कीजिए |

प्रश्न संख्या 02: ग्रामीण-नगरीय सातत्य की अवधारणा क्या है ? व्याख्या कीजिए |

प्रश्न संख्या 03 : ग्रामीण शक्ति संरचना में होने वाले परिवर्तनो के कारणों का वर्णन कीजिए |

प्रश्न संख्या 04 : स्थानीय शासन क्या है ?इसकी प्रकृति एवं कार्यों की विवेचना कीजिए|

प्रश्न संख्या 05 : सामुदायिक विकास की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए |